



सत्यमेव जयते

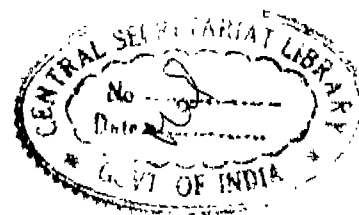
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 3] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 17, 1996/रोज 27, 1917
No. 3] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 17, 1996/PAUSA 27, 1917

प्रधान कार्यालय
स्टेट बैंक ऑफ मैसूर
(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)

सूचना
बेंगलूर, 04 जनवरी, 1996

प्रधान कार्यालय, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर

(भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम (सहयोगी बैंक) 1959, वर्ष 1959 के अधिनियम संख्या 38 के अंतर्गत निर्गमित)

(मर्जेंट बैंकिंग प्रभाग)

(एम बी डी/ राईट्स)

सूचना

बेंगलूर, 06 जनवरी, 1996

स्टेट बैंक ऑफ मैसूर की शेयर पूंजी बढ़ाने की योजना

म. ए. बी. डी./III/IV/23/95:—एतद्वारा सूचित किया जाता है कि बैंक के प्रस्तावित अधिकार निर्गम के तहत प्रस्ताव हेतु शेयरधारियों की पात्रता की निर्धारित करने के लिए 16 जनवरी 1996 को रिकार्ड तारीख के रूप में निम्नलिखित करने के निर्णय लिया गया है, जिसका विस्तृत ब्योरा प्रस्ताव प्रलेख में दिया गया है जो शेयरधारियों को रिकार्ड तारीख के बाद भेज दिये जाएंगे। सभी शेयरधारियों को और निवेशकों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक 18 जनवरी 1996 को शामिलकर वहाँ तक बैंक के प्रधान कार्यालय में प्राप्त अंतरण आवेदनों को, बैंक के अंतरण नियमों के अनुसार बैंक समझे जाएंगे और उन पर ही विचार किये जाएंगे।

शेयरधारियों से अनुरोध है कि यदि उनके पते में कोई परिवर्तन हो तो उसे बैंक रिकार्ड में दर्ज करते हेतु शीघ्र सूचित करना चाहिए।

ए. कृष्णन, प्रबंध निदेशक

1. योजना के लिए संस्वीकृति:—बैंक की निर्गमित पूंजी को बढ़ाने हेतु भारतीय रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक के अधिनियम 1959 (सहयोगी बैंक) के अनुच्छेद-7 के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक से अनुमोदन प्राप्त कर ईक्विटी शेयरों का अधिकार निर्गम जारी किया जा रहा है और इस संबंध में निदेशक बोर्ड द्वारा उनकी दिनांक 8 नवंबर 1995 की बैठक में एक संकल्प पारित किया गया है तथा इस हेतु भारतीय स्टेट बैंक के निदेशक मंडल द्वारा भी उनकी दिनांक 27 अक्तूबर, 1995 की बैठक में संकल्प पारित किया गया है।

2. निर्गम की विशेषताएं:—रु. 250 प्रति शेयर के प्रीमियम पर, रु. 100 के प्रति ईक्विटी शेयर के 24 लाखों के अधिकार निर्गम जो

औसतन रु. 84 करोड़ होना है, को जारी करने के जरिये, बैंक की निर्गमित और प्रचल पूंजी में बढ़ोतरी की जा रही है।

ii. ईक्विटी शेयरों को इस उद्देश्य हेतु निर्धारित "रेकार्ड तारीख" अर्थात् 16 जनवरी 1996 तक बैंक की ईक्विटी शेयर रखने वाले शेयरधारियों को प्रति एक ईक्विटी शेयर के लिए दो ईक्विटी शेयरों के अनुपात में अभिधान हेतु ईक्विटी शेयरों का जारी किया जा रहा है।

iii. अतिरिक्त ईक्विटी शेयरों की मांग करने के लिए शेयरधारी पात्र है और उन्हें अधिकार को परिस्थानों की अनुमति भी दी जाएगी।

iv. बैंक के प्रधान शेयरधारी भारतीय स्टेट बैंक अपने अधिकार निर्गम के शेयरों में पूर्ण अभिधान करना चाहता है और अधिकार प्रस्ताव के बाद रु. 36 करोड़ों के पूर्ण निर्गम ईक्विटी के 88.91 प्रतिशत बनाये रखने की संभावना है।

v. भारतीय स्टेट बैंक शेयर, पूर्व निर्गम पूंजी के 20% तक अर्थात् 7,20,000 ईक्विटी शेयरों को अधिकार निर्गम जारी तारीख से दो वर्षों तक लाक किया जाएगा। इस प्रकार लाक किये जाने वाले शेयरों को अधिकार निर्गमों में जारी में से पहचाने जाएंगे।

vi. भारतीय स्टेट बैंक (अनुपंगी बैंक) अधिनियम (इसके बाद से अधिनियम के रूप में उल्लेख किया जाएगा) वैयक्तिक धारणाओं पर निम्नानुसार प्रतिबंध लगाता है :

अधिनियम 1959 के अनुच्छेद 19(1) के अनुसार कोई भी व्यक्ति अपने नाम पर या अन्यो के साथ संयुक्त नामों पर अनुपंगी बैंकों में 200 से अधिक कोई भी शेयर के संबंध में शेयरधारी के रूप में अपना नाम दर्ज नहीं करायेगा या उनके द्वारा रखे गये अतिरिक्त शेयरों के लाभांश भुगतान के लिए पात्र बनेंगे या ऐसे अतिरिक्त शेयरों के कोई भी अधिकार, सिवाय वोट के, का प्रयोग करेंगे। यह अनुच्छेद निम्नलिखितों पर लागू नहीं होता है :

- (क) स्टेट बैंक
- (ख) राज्य सरकार
- (ग) निगम, कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत पंजीकृत कंपनी सहित।
- (घ) बीमा अधिनियम में परिभाषितानुसार बीमाकार
- (च) स्थानीय प्राधिकार :
- (छ) सहकारी संघ
- (ज) सार्वजनिक या निजी धार्मिक या धर्मार्थ संस्थाएं।
- (झ) वर्तमान बैंक शेयरधारी जिन्हें अनुच्छेद-13 के उप अनुच्छेद (4) के तहत जिन्हें कोई शेयर आर्बिट्रि है।

vii. स्टेट बैंक (अनुपंगी बैंक) अधिनियम 1959 के अनुच्छेद 19(2) के अनुसार, स्टेट बैंक के अलावा कोई भी शेयरधारी निर्गमित पूंजी के एक प्रतिशत से अतिरिक्त किसी भी शेयर जो उनके द्वारा रखे जाते हैं, से संबंधित मताधिकार के लिए पात्र नहीं होते हैं।

viii. अधिनियम के अनुच्छेद 19 के अनुसार, ईक्विटी शेयर जो अब जारी किये जा रहे हैं भी फिलहाल प्रस्तावित ईक्विटी शेयरों के धारकों के अलावा बैंक के वर्तमान शेयरों के बराबर सभी दृष्टि से समानरूप में लाभांश यदि कोई हो, जो घोषित किया जाएगा या जो ईक्विटी शेयरों पर यथानुपात में उस अवधि के लिए जिसके लिए ऐसी पूंजी अदा की गई है, भुगतान के लिए पात्र होते हैं।

3. निर्गम कार्यक्रम :—(1) रेकार्ड तारीख—16 जनवरी 1996
- (2) निर्गम शुरुआत की तारीख—2 फरवरी 1996
- (3) निर्गम बंद होने की तारीख—29 फरवरी 1996

(4) कामों के अन्तग्राह हेतु अनुरोधों की स्वीकारने की तारीख—15 फरवरी, 1996

4. आवेदनों की स्वीकारने की जगह :—स्टेट बैंक ऑफ मैसूर के निम्नलिखित शाखाओं की निर्गम आरंभ की अवधि के दौरान आवेदनों की स्वीकारने हेतु संग्रहण शाखाओं के रूप में नामित किया जाता है :

स्टेट बैंक ऑफ मैसूर :—

- (1) ग्रहमदाबाद (लाल दरवाजा)
- (2) धरसीकेरे
- (3) बेंगलूर (अमैन्स रोड)
- (4) बेंगलूर (श्रमवतगुडी)
- (5) बेंगलूर (जयनगर 3 ब्लॉक)
- (6) बेंगलूर (मल्लेश्वरम्)
- (7) बेंगलूर (एम.जी. रोड)
- (8) बेल्गांव (रविचारपेट)
- (9) बल्लारी (स्टेशन रोड)
- (10) बंबई मुख्य (मिनल कोर्ट, नारिमन पॉईण्ट)
- (11) कलकत्ता (बैंटिकम्ट्रीट, ओल्ड कोर्ट हाउस फार्नर)
- (12) चिक्कमंगलूर
- (13) दावणगेरे
- (14) गौरीबिदनूर
- (15) हासन (नरसिम्हाराजा मर्कल)
- (16) हिन्नीपुर (मेन बाजार)
- (17) होमकोटे
- (18) हुबली मुख्य (भूस्माविरमठ विलिंग)
- (19) हैदराबाद (अविष्म रोड)
- (20) कोनार (मैसूर बैंक रोड)
- (21) कोल्लेगल
- (22) मद्रास मुख्य (नेताजी सुभाषचन्द्र बोस रोड)
- (23) मंजूरा (विश्वेश्वरय्या रोड)
- (24) भंगलूर (जी.एच.एम. रोड)
- (25) मैसूर मुख्य (अशोका रोड)
- (26) नई दिल्ली (अंतरिक्ष भवन, के.जी. मार्ग, कनाट प्लेस)
- (27) शिवमोगा (ओ एच रोड)
- (28) तिरुपूर (स्टेशन रोड)
- (29) तुमकूर (बैंक रोड)

अनिवासी भारतीय आवेदनों का नियंत्रक शाखा :

- (1) बंबई मुख्य (मिनल कोर्ट, "सी" विंग, नरीमन पॉईण्ट)

5. योजना का उद्देश्य :—भारतीय रिजर्व बैंक के आवश्यकतानुसार, पूंजी पर्याप्तता मानदण्डों की पूर्ति के लिए बैंक की पूंजी को बढ़ाने और बैंक के विवेकपूर्ण मानदण्डों में सुधार लाया जा सके ताकि उच्चमूल्य के परियोजना/व्यवसायों के प्रस्तावों की स्वीकारा जा सके।

ए. कृष्णन, प्रबंध निदेशक

HEAD OFFICE STATE BANK OF MYSORE

(Associate of the State Bank of India)

NOTICE

Bangalore, the 4th January, 1996

No. ADVT/III/IV/23/95.—Notice is hereby given that 16 January, 1996 has been fixed as the "Record Date" for the purpose of determining the entitlement of the shareholders in the proposed issue of shares by the Bank, on a rights basis, details of which are given in the offer document to be mailed to shareholders, soon after the Record Date. All shareholders and other investors are hereby informed that transfer applications which are valid in every respect and which conform to the Bank's rules for transfer, received upto and including 16 January, 1996 at the Head Office of the Bank will be considered for the purpose.

Shareholders are requested to immediately advise the Bank of any change in their address, for noting in the Bank's records.

A. KRISHNAN, Managing Director

HEAD OFFICE STATE BANK OF MYSORE
Incorporated under the State Bank of India
(Subsidiary Banks Act, 1959, Act No. 38 of 1959.

(Merchant Banking Division MBD/rights)

NOTICE

Bangalore, the 6th January, 1996

**SCHEME FOR AUGMENTING THE SHARE
CAPITAL OF THE STATE BANK OF
MYSORE**

1. Sanction for the Scheme.—The Rights issue of equity shares is being made pursuant to the approval of the Reserve Bank of India and the State Bank of India under Section 7(4) of the State Bank (Subsidiary Banks) Act, 1959 to increase the issued capital of the Bank and the resolution passed by the BOARD OF DIRECTORS of the Bank at its meeting held on the 8th November, 1995, and the resolution of the Board of Director of State Bank of India, passed at its meeting held on the 27th October, 1995.

2. Salient features of the issue :

- (i) The augmentation of issued and paid up capital of the Bank is being done, by way of a rights issue of 24 lakhs equity shares of Rs. 100 each, at a premium of Rs. 250 per share aggregating Rs. 84 crores.

- (ii) The equity shares are being offered for subscription to the equity shareholders of the Bank on rights basis in the ratio of 2 equity shares for every 1 equity share held by them on 16 January 1996, the Record Date fixed for this purpose.
- (iii) The shareholders will be entitled to apply for the additional equity shares and will also be allowed the rights of renunciation.
- (iv) State Bank of India, the principal shareholder intends to subscribe to its shares of the rights issue in full and is expected to retain 88.91 per cent of the post issue equity of Rs. 36 crores, after the rights offer.
- (v) The shares of State Bank of India, to the extent of 20 per cent of post issue capital, i.e. 7,20,000 equity shares, will be locked in for a period of two years, from the date of allotment in the rights issue. The shares, to be locked in, will be identified out of those issued in the rights issue.
- (vi) State Bank of India (Subsidiary Banks) Act (hereinafter referred to as the "Act") imposes restrictions on individual holdings as under :

As per Section 19 (1) of the Act, 1959 no person shall be registered as a shareholder in respect of any shares in a subsidiary bank held by him, whether in his own name or jointly with any other person, in excess of two hundred shares, or be entitled to payment of any dividend on the excess shares held by him or to exercise any of the rights of a shareholder in respect of such excess shares otherwise than for the purpose of selling them.

Provided that nothing in this Section shall apply to :

- (a) the State Bank
- (b) a State Government
- (c) a Corporation, including a company registered under the Companies Act, 1956.
- (d) an insurer as defined in the Insurance Act
- (e) a local authority
- (f) a Co-operative Society
- (g) a trustee of a public or private religious or charitable trust

- (h) a shareholder of an existing Bank who is allotted any shares under sub-section (9) of Section 13.
- (vii) As per Section 19 (2) of the State Bank (Subsidiary Banks) Act, 1959, "No shareholder other than State Bank, shall be entitled to exercise voting rights in respect of any shares held by him in excess of one per cent of the Issued Capital".
- (viii) Subject to Sec. 19 of the Act, the Equity Shares, now being issued shall rank *pari passu*, in all respects with the existing shares of the Bank except that the holders of the Equity Shares now offered will be entitled to dividend, if any, which may be declared or paid on Equity Shares *pro-rata* for the period for which such Capital is paid up.

3. Issue Programme :—

1. Record Date : 16 January, 1996.
2. Issue opens on : 2 February, 1996.
3. Issue closes on : 29 February, 1996.
4. Last Date for receiving requests for split forms : 15 February, 1996.

4. Place of acceptance of applications.—The following branches of the State Bank of Mysore have been appointed as the collection centres, for acceptance of the applications during the period of the opening of the issue.

State Bank of Mysore :—

- (1) Ahmedabad (Lal Wardaja)
- (2) Arsikere
- (3) Bangalore (Avenue Road)
- (4) Bangalore (Basavanagudi)
- (5) Bangalore (Jayanagar 3rd Block)

- (6) Bangalore (Malleswaram)
- (7) Bangalore (M. G. Road)
- (8) Belgaum (Ravivarpet)
- (9) Bellary Main (Station Road)
- (10) Bombay Main (Mittal Court, 'C' Wing, Nariman Point)
- (11) Calcutta (Bentinck Street, Old Court House Corner)
- (12) Chickmagalur
- (13) Davangere Main (Mandipet)
- (14) Gauribidanur
- (15) Hassan Narasima Raja (Circle)
- (16) Hindupur (Main Bazar)
- (17) Hoskote
- (18) Hubli Main (Moorusviramath Building)
- (19) Hyderabad (Abdis)
- (20) Kolar (Mysore Bank Road)
- (21) Kollegal
- (22) Madras Main (N.S.C. Bose Road)
- (23) Mandya (Visvesvaraya Road)
- (24) Mangalore (G.H.S. Road)
- (25) Mysore Main (Ashoka Road)
- (26) New Delhi (Antriksh Bhavan, K. G. Marg, Connaught Place)
- (27) Shimoga (B. H. Road)
- (28) Tiptur (Station Road)
- (29) Tumur (Bank Road)

Controlling Branch for NRI applications :

Bombay Main (Mittal Court, 'C' Wing, Nariman Point)

5. Purpose of the Scheme.—To augment the Bank's Capital base to meet the Capital Adequacy Norms, as per the RBI requirements and thereby improve the Bank's prudential norms parameters, enabling it to accept higher value projects business proposals.

A. KRISHNAN, Managing Director